Std. 7

(Hindi) Ch. 7

1.(क) रौनक लाल जी कहानी लिखने से पहले एक नई डायरी और कलम खरीद लाए और फिर उनकी पूजा की।

(ख) रौनक लाल कहानी ना प्रकाशित होने से उदास थे।

(ग) डाकिये ने पूछा कि चिट्ठियों में क्या होता है रचना का चैक या स्वीकृति पत्र.

(घ) रौनक लाल जी ने विचार किया कि लोग अखबार फेंक देते हैं परन्तु पत्रिका कुछ दिन रखते हैं यह सोचकर उन्होंने अपनी रचनाएँ पत्रिका में भेजी।

(ङ) कहानी पत्रिका में प्रकाशित हो जाने से रौनक लाल जी मोहल्ले की शान बन गये.

2.(क) सर्वप्रथम बीस-पच्चीस कहानियाँ लिखने के बाद रौनक लाल जी ने एक-एक कहानी के लिए डाक टिकट लिफाफा और फूलस्कैप कागज खरीद लाये। फिर उन्हें लिखकर लिफाफे में डाल कर टिकट लगाकर पोस्ट अफिस में छोड़ आये।

(ख) रौनक लाल जी ने अपनी रचना के साथ जवाबी लिफाफा नहीं लगाया क्योंकि उन्हें डर था कि अस्वीकृति की अवस्था में रचनाएँ वापस आने पर पड़ोसी मजाक उड़ायेंगे.

(ग) रौनक लाल ने 'सेवा में', अथवा पता लिख दिया था इस वजह से उनकी कहानियाँ वापस आ गयी थीं.

(घ) संपादक ने कहा कि एक बार कहानी ना छपने पर उन्हें गलती से पारिश्रमिक भेज दिया गया था. उसकी भरपाई में इस बार पारिश्रमिक नहीं भेजा जा रहा है.

(ङ) रौनक लाल जी ने मन में सोचा कि उनका पारिश्रमिक तो उनकी कहानी का प्रकाशन ही है. वह यह मन ही मन सोचकर संतुष्ट थे.

3. कहानी, गाय, कूड़ेदान, उत्साहित, पारिश्रमिक

1. ✗, ✗, ✓, ✓, ✓

2. 3, 4, 5, 1, 6, 2

3. वीर, कृतघ्न, प्रधान, अस्त, प्रेम, चेतन
दानव, अपवित्र, श्राप, बेटा

4. (i) दीप + अवली (ii) विद्या + अर्थी
(iii) अति + आचार (iv) रेखा + अंकित
(v) पुस्तक + आलय (vi) सु + अच्छा

5. (i) भुलक्कड़, घुमक्कड़ (ii) पढ़कर, उठकर
(iii) खुशी, दुखी (iv) झाड़ू, साड़ू
(v) सुरभित, प्रफुल्लित (vi) खाने वाला, पीने वाला

Ch - 8

1. (क) रात को आराम करने और सजने सँवरने का शौक था।
(ख) रात और दिन में कौन बड़ा और गुणी है इन सवालों के जवाब जानने के लिए दोनों अपने रचयिता के पास गये।
(ग) भगवान ने दोनों की चादर बदल दी जिससे दोनों एक दूसरे का महत्व समझ सकें।
(घ) जीवन सुचारू और शांतिमय बनाने के लिए काम और आराम दोनों का महत्व है।
(ङ.) दिन हमें कर्मठ होने का संदेश देता है।

2. (क) रात आराम पसंद, सजने संवरने वाली थी तो दिन कर्मठ और व्यावहारिक था।

classmate

Date
Page

(ख) रात और दिन में सदैव बहस होती थी कि कौन ज्यादा गुणी और बड़ा है.

(ग) भगवान ने समझाने चाहा कि वह दोनों ही महत्वपूर्ण एवं समान है.

(घ) इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि सभी महत्वपूर्ण है तथा जीवन को शांतिमय और मनहर बनाने के लिए कार्य और विश्राम दोनों जरूरी है.

3. (क) मित्र , कर्मठ , भगवान ने

1. (1) ने , से , की , में , को

2. (क) जिसकी सीमा न हो (ख) जिसकी कोई तिथि न हो
(ग) जो काम करने से जी चुराये
(घ) जो शुद्ध शाक , भाजी , अनाज खाता हो
(ङ) जो बोलने में चतुर हो
(च) किये गये कार्य का मेहनताना

3. सम्पूर्ण - किनारा , तपस्या - गरमी , लहर - घोड़ा
भोजन - देर , बराबर - आदर , वीर - अंधाव्यक्ति

4. चूरन , जमुना , मछली , सोना , कोयल , ऊँचा

5. जीजी , फूफा , नर , युवती , पत्नी , कवयित्री

वर , सास , ऊँटनी , चौधराईन

6. य + अ + म + उ + न + आ
य + अ + श + ओ + ढ + आ
क + अ + म + अ + ल + अ
क + इ + त + अ + व + अ
ई + इ + म + आ + ल + अ + य + अ